नोट्स

पृथ्वी और हमारा जीवन

हमारा इतिहास एवं सामान्य ज्ञान

कक्षा 6 के लिए उपयोगी

Paras Jain
(Assistant Teacher)
U.P.S. Choraha Binaura
Ramnagar Chitrakoot U.P.

हमारा सौर मण्डल

Paras Jain
Chitrakoot

1. सूर्य के परिवार को सौरमण्डल कहते हैं।
2. सूर्य एक तारा है।
3. वे आकाशीय पिण्ड जो सूर्य के चारो ओर चक्कर लगाते हैं उन्हें ग्रह कहते हैं।
4. हमारे सौर मण्डल में आठ ग्रह है - बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति शनि, अरूण, वरूण ।
5. वे आकाशीय पिण्ड जो किसी ग्रह के चारों ओर चक्कर लगाते है उन्हे उपग्रह कहते हैं।
6. चन्द्रमा, पृथ्वी का एक प्राकृतिक उपग्रह है।
7. सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है।
8. सूर्य के सबसे निकट ग्रह बुध (Mercury) है।
9. सबसे अधिक चमकीला ग्रह शुक्र (Venus) है।
10. सबसे छोटा ग्रह बुध है।
11. सूर्य से दूर स्थित ग्रह वरूण (Neptune) है।
12. सबसे अधिक ठण्डा ग्रह वरूण है।
13. मंगल (Mars) को लाल ग्रह कहते हैं।
14. पृथ्वी (Earth) को नीला ग्रह कहते हैं।
15. भोर का तारा एवं साँझ का तारा शुक्र (Venus) ग्रह को कहते हैं।
16. शुक्र ग्रह को पृथ्वी की बहिन कहते हैं।
17. सबसे अधिक भारी ग्रह बृहस्पति (Jupiter) है।
18. अन्तरिक्ष से देखने पर पृथ्वी नीली दिखाई पड़ती है जबकि पृथ्वी का वायुमण्डल अन्तरिक्ष से देखने पर काला दिखाई पड़ता है।
19. शुक्र (venus) एवं अरुण (Uranus) को छोड़कर सभी ग्रह घड़ी की सुई के विपरीत दिशा में परिभ्रमण एवं परिक्रमण करते हैं।

20. शनि एवं अरूण ग्रह के चारों ओर विशेष प्रकार की वलय (Ring) पाई जाती है।

21. हमारे सौरमण्डल में अगस्त 2006 के पहले 9 ग्रह माने जाते थे। यम (प्लूटो) नौवाँ ग्रह था। यह वरूण ग्रह की कक्षा का अतिक्रमण करता था। अतः 24 अगस्त 2006 को अन्तरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (I.A.U.) ने यम को ग्रह की श्रेणी से हटा दिया।

22. चन्द्रमा का व्यास पृथ्वी के व्यास का एक चौथाई है। पृथ्वी से इसकी दूरी लगभग तीन लाख चौरासी हजार किलोमीटर है।

23. बृहस्पति ग्रह के उपग्रहों की संख्या 69 है जो सबसे अधिक है।

24. बुध एवं शुक्र ग्रह के उपग्रहों की संख्या शून्य है।

25. पृथ्वी का एक उपग्रह तो मंगल के दो उपग्रह हैं।

26. सूर्य से दूरी के क्रम में पृथ्वी तीसरा ग्रह है। आकार में यह पाँचवाँ सबसे बड़ा ग्रह है।

27. हमारी पृथ्वी लगभग गोल आकार की है यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी तथा मध्य में थोड़ी उभरी हुई है इसलिए इसके आकार को भूआभ (Geoid) कहा जाता है।

28. पृथ्वी को सूर्य का एक चक्कर पूरा करने में $365\frac{1}{4}$ दिन लगते हैं।

29. सूर्य हमारी पृथ्वी से लगभग 15 करोड़ किमी दूर स्थित है।

30. तीन लाख किमी प्रति सेकण्ड की चाल से सूर्य का प्रकाश 8 मिनट 19 सेकण्ड में सूर्य से पृथ्वी तक पहुँचता है।

Paras Jain Chitrakoot

Paras Jain
Chitrakoot

पृथ्वी की गतियाँ

1. हमारे सौरमण्डल के सभी आठ ग्रह अपनी अक्ष पर लट्टू की भाँति घूमते हुए अपनी-अपनी कक्षा में सूर्य की भी परिक्रमा करते हैं।
2. पृथ्वी का अपनी धुरी पर घूमना (घूर्णन) पृथ्वी का परिभ्रमण (Rotation) कहलाता है।
3. पृथ्वी द्वारा अपनी कक्षा में सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करना परिक्रमण (Revolution) कहलाता है।
4. पृथ्वी का अक्ष एक काल्पनिक रेखा है जो दोनो ध्रुवों से होकर जाती है। पृथ्वी इसी अक्ष के परितः घूर्णन करती है।
5. पृथ्वी का अक्ष उसके कक्षा तल पर बने लम्ब से $23\frac{1}{2}°$ झुका हुआ है।
6. पृथ्वी का अक्ष, पृथ्वी के कक्षा तल से $66\frac{1}{2}°$ का कोण बनाता है। इस झुकाव को पृथ्वी के अक्ष का झुकाव कहते हैं।
7. पृथ्वी पश्चिम से पूर्व दिशा में घूमते हुए 24 घंटे में एक घूर्णन पूरा करती है।
8. पृथ्वी की घूर्णन गति के कारण दिन और रात होते हैं।
9. पृथ्वी दीर्घवृत्ताकार कक्षा में $365\frac{1}{4}$ दिन (365 दिन 6 घंटे) में सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करती है। यह पृथ्वी की परिक्रमण गति कहलाती है।
10. सूर्य से पृथ्वी की औसत दूरी लगभग 15 करोड़ किलोमीटर है जो बदलती रहती है।
11. 3 जनवरी को पृथ्वी, सूर्य के सर्वाधिक निकट होती है। इस स्थिति को उपसौर (Perihelion) कहते हैं।
12. 4 जुलाई को पृथ्वी सूर्य से सर्वाधिक दूर होती है। इस स्थिति को अपसौर (Aphelion) कहते हैं।
13. पृथ्वी के अक्ष के झुकाव और सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करने के कारण ही ऋतु परिवर्तन होता है।

14. 21 मार्च और 23 सितम्बर को सूर्य भूमध्य रेखा (विषुवत वृत्त) पर सीधा चमकता है। पूरी पृथ्वी पर इस समय दिन-रात की अवधि समान (12-12 घंटा) की होती है।

15. 21 मार्च को वसन्त विषुव होता है।

16. 23 सितम्बर को शरद विषुव होता है।

17. उत्तरी गोलार्द्ध के सूर्य की ओर झुके होने के कारण 21 जून को इस क्षेत्र में सबसे लम्बा दिन होता है।

18. 22 दिसम्बर को उत्तरी गोलार्द्ध में सबसे छोटा दिन होता है।

19. दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थितियाँ इसके विपरीत होती है अर्थात वहाँ 21 जून को दिन छोटी अवधि का और 22 दिसम्बर को दिन लम्बी अवधि का होता है।

20. जहाँ पृथ्वी एवं आकाश मिलते हुए दिखाई देते हैं उसे क्षितिज कहते है।

ग्लोब- अक्षांश एवं देशान्तर रेखाएँ

1. ग्लोब, पृथ्वी का लघु रूप में एक वास्तविक प्रतिरूप (Model) है।
2. पृथ्वी लगभग गोल आकार की है। यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी एवं मध्य में थोड़ी उभरी हुई है। पृथ्वी का वास्तविक आकार भू-आभ (Geoid) कहलाता है।
3. भू-आभ का अर्थ है, पृथ्वी के समान आकार।
4. ग्लोब पर पश्चिम से पूरब की ओर खींची गई काल्पनिक रेखाओं को ही अक्षांश रेखाएं कहते हैं।
5. 0° (शून्य डिग्री) अक्षांश रेखा को भूमध्य रेखा कहते हैं।
6. विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा एक काल्पनिक रेखा है जो दोनो ध्रुवों से बराबर दूरी पर होती है। यह रेखा पृथ्वी को दो बराबर भागों में बाँटती है।
7. भूमध्य रेखा के उत्तर का भाग उत्तरी गोलार्द्ध कहलाता है जबकि दक्षिण का भाग दक्षिणी गोलार्द्ध कहलाता है।
8. भूमध्य रेखा सबसे लम्बी अक्षांश रेखा है। इसकी लम्बाई 40076 किमी है।
9. $23\frac{1}{2}°$ उत्तरी अक्षांश रेखा को कर्क रेखा कहते हैं।
10. कर्क रेखा हमारे देश भारत से होकर गुजरती है।
11. $23\frac{1}{2}°$ दक्षिणी अक्षांश रेखा को मकर रेखा कहते हैं।
12. $66\frac{1}{2}°$ उत्तरी अक्षांश रेखा को आर्कटिक रेखा कहते हैं।
13. $66\frac{1}{2}°$ दक्षिणी अक्षांश रेखा को अण्टार्कटिक रेखा कहते हैं।
14. मानचित्र पर अक्षांश रेखाओं की कुल संख्या 179 होती है।
15. 90° उत्तरी अक्षांश तथा 90° दक्षिणी अक्षांश मात्र बिन्दु रह जाते है अर्थात ध्रुवों पर इनकी लम्बाई शून्य होती है।
16. भूमध्य रेखा से ध्रुवों तक पृथ्वी के चारों ओर स्थित सभी वृत्तों को अक्षांश वृत्त कहते हैं।

Paras Jain Chitrakoot

17. उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली 360 रेखाओं को देशांतर रेखाएं कहा जाता है।

18. देशान्तर रेखाएँ दोनो ध्रुवों को मिलाती हुई अर्धवृत्ताकार होती हैं।

19. देशान्तर रेखाओं के बीच की दूरी भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर जाने पर क्रमशः कम होती जाती है।

20. लन्दन के निकट ग्रीन विच नामक स्थान पर स्थित ग्रीन विच वेधशाला से गुजरने वाली देशान्तर रेखा 0° देशान्तर या प्रधान देशान्तर रेखा कहलाती है। इसे ग्रीन विच रेखा भी कहते हैं।

21. पृथ्वी अपने काल्पनिक अक्ष पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है।

22. हमारी पृथ्वी 24 घंटे में 360° घूम जाती है अतः पृथ्वी की घूर्णन गति 15° देशान्तर प्रति घंटा है अथवा यह प्रति चार मिनट में 1° घूमती है।

23. भारतीय मानक समय, ग्रीनविच मानक समय से 5 घंटा 30 मिनट आगे रहता है अर्थात जब ग्रीनविच रेखा पर दिन के 12:00 बजेगें उस समय भारत की घड़ियों में शाम के 05:30 बज रहे होगें।

24. 180° देशान्तर रेखा को अन्तरराष्ट्रीय तिथि रेखा कहते हैं।

25. 180° देशान्तर रेखा के बायीं ओर (पश्चिम दिशा) जाने पर एक दिन जोड़ना पड़ता है जबकि दायीं ओर (पूर्व दिशा) जाने पर एक दिन घटाना पड़ता है।

पृथ्वी के परिमण्डल

1. पृथ्वी, सौरमण्डल का एकमात्र ऐसा ग्रह है जहाँ पर जीवन है क्योंकि यहाँ जीवन के लिए आवश्यक तीनो तत्व - भूमि, जल एवं वायु उपस्थित है।
2. पृथ्वी के भूमण्डल को चार परिमण्डलों में बाँटा जाता है -
   (i) स्थलमण्डल (Lithosphere)
   (ii) जलमण्डल
   (iii) वायुमण्डल
   (iv) जैवमण्डल

Paras Jain Chitrakoot

3. पृथ्वी के ठोस भाग को स्थलमण्डल कहते हैं।
4. पृथ्वी पर स्थित विशाल भूखण्डों को महाद्वीप कहा जाता है। इनकी संख्या सात है -
   (i) एशिया
   (ii) अफ्रीका
   (iii) उत्तरी अमेरिका
   (iv) दक्षिणी अमेरिका
   (v) अंटार्कटिका
   (vi) यूरोप
   (vii) आस्ट्रेलिया
5. स्थल भाग का अधिकांश हिस्सा उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
6. एशिया, विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है।
7. भारत, जिस विशाल भू-भाग का अंश है, इसे एशिया महाद्वीप कहते हैं।
8. एशिया महाद्वीप में अनेक देश स्थित है - जैसे - भारत, चीन, पाकिस्तान, ईरान, जापान, रूस, बांग्लादेश, श्री लंका, सऊदी अरब आदि देश स्थित है।
9. एशिया में कुल देशों की संख्या 50 है।
10. एशिया में सबसे बड़ा देश रूस और सबसे छोटा देश मालदीव है।
11. जनसंख्या के मामले चीन सबसे बड़ा देश है।
12. विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट एवं पृथ्वी का सबसे नीचे वाला बिंदु मृत सागर भी एशिया महाद्वीप में स्थित है।
13. दुनिया की छत कहा जाने वाला 'तिब्बत का पठार', दक्कन का पठार और पामीर का पठार, एशिया महाद्वीप के प्रमुख पठार है।

14. गंगा, यमुना, सतलज, सिन्धु, दजला-फरात, ह्वांगहो, इरावदी आदि नदिया एशिया महाद्वीप में बहती है।

15. विश्व का लगभग एक तिहाई भू-भाग एवं 60 प्रतिशत जनसंख्या एशिया महाद्वीप में पाइ जाती है।

16. अफ्रीका महाद्वीप, एशिया के बाद दूसरा सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला महाद्वीप है।

17. विषुवत रेखा, कर्क रेखा एवं मकर रेखा, अफ्रीका महाद्वीप से गुजरती है।

18. अफ्रीका महाद्वीप के मिस्र देश में विश्व की सबसे लम्बी नदी, नील नदी बहती है।

19. कांगो नदी भूमध्य रेखा दो बार काटती है।

20. लिम्पोपो नदी मकर रेखा को दो बार काटती है।

Paras Jain Chitrakoot

21. विश्व प्रसिद्ध पिरामिड मिस्र देश मे स्थित है।

22. विश्व का तीसरा सर्वाधिक विस्तृत महाद्वीप उत्तरी अमेरिका है।

23. कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा मैक्सिको उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के प्रमुख देश हैं।

24. उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका के बीच 'पनामा नहर' भू-भाग काटकर बनाई गई है जो अटलाण्टिक तथा प्रशान्त महासागरों को जोड़ती है।

25. दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप, उत्तरी अमेरिका के दक्षिण में स्थित है।

26. दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप की अमेजन घाटी अपनी वनस्पतियों तथा घने वन के लिए प्रसिद्ध है।

27. विश्व की सबसे लम्बी पर्वत शृंखला एण्डीज जो कि उत्तर से दक्षिण फैली हुई है, दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में स्थित है।

28. अंटार्कटिका महाद्वीप में वर्ष भर मोटी बर्फ की सफेद चादर रहती है इसीलिए मानव के लिए यहाँ पर रहना कठिन है।

29. अंटार्कटिका महाद्वीप में भारत ने तीन शोध केन्द्र खोले हैं जिनका नाम दक्षिणी गंगोत्री, मैत्री तथा भारती रखा गया है।

30. आस्ट्रेलिया महाद्वीप संसार का सबसे छोटा महाद्वीप है।

31. कंगारू जानवर आस्ट्रेलिया महाद्वीप में पाया जाता है।

32. आस्ट्रेलिया महाद्वीप चारों ओर महासागरों से घिरे होने के कारण इसे द्वीपीय महाद्वीप कहते हैं।

33. आस्ट्रेलिया महाद्वीप में मरे व डार्लिंग नदियाँ बहती हैं।

34. आस्ट्रेलिया महाद्वीप के उत्तर-पूर्व में विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति ग्रेट बैरियर रीफ है।

35. यूरोप महाद्वीप के पूर्व में यूराल तथा काकेशस पर्वत स्थित हैं।

36. यूरोप महाद्वीप में अनेक देश है - इंग्लैण्ड, इटली, जर्मनी, पुर्तगाल, पोलैण्ड फ्रांस, स्वीडन, नार्वे इत्यादि।

37. यूरोप तथा एशिया मिलकर यूरेशिया कहलाते है।

38. द्वीप अपेक्षाकृत छोटा भूखण्ड होता है जो चारों ओर जल से घिरा होता है जैसे - श्री लंका, लक्षद्वीप, जापान, न्यूजीलैण्ड, ग्रीनलैण्ड आदि।

39. हमारी पृथ्वी पर लगभग तीन-चौथाई (71 प्रतिशत) भाग जल तथा लगभग एक चौथाई (29 प्रतिशत) स्थल है।

40. पृथ्वी में उपस्थित जल के बड़े- बड़े जलाशयों को महासागर कहते हैं।

41. पृथ्वी पर वर्तमान समय में पाँच महासागर है -

(i) प्रशान्त महासागर
(ii) अटलाण्टिक महासागर
(iii) हिन्द महासागर
(iv) आर्कटिक महासागर
(v) दक्षिणी महासागर

Paras Jain
Chitrakoot

42. विश्व के सभी महासागर आपस में जुड़े होते है इसलिए जल का स्तर सब जगह समान होता है।

43. महासागरीय जल सदा गतिशील रहता है एवं खारा होता है।

44. हमारी पृथ्वी पर जलीय भाग अधिक है इसीलिए इसे नीला ग्रह कहते हैं।

45. प्रशान्त महासागर विश्व का सबसे बड़ा और गहरा महासागर है।

46. महासागर के छोटे-छोटे जलाशयों को सागर या समुद्र कहते हैं।

47. विश्व के प्रमुख सागरों के नाम भूमध्य सागर, बाल्टिक सागर, दक्षिणी चीन सागर, लाल सागर, काला सागर आदि है।

48. महासागर में सबसे गहरा बिंदु मारियाना गर्त है जो कि प्रशान्त महासागर में स्थित है।

49. समुद्री तल (महासागर तल) को शून्य ऊँचाई वाला माना जाता है। महासागर की गहराई हो अथवा स्थल खण्ड के पर्वत, पठार या मैदानों की ऊँचाई हो ये सभी महासागर तल से नापी जाती है।

50. हमारी पृथ्वी पर जलीय भाग अधिक है इसीलिए इसे नीला ग्रह कहते हैं।

51. पृथ्वी के चारों ओर एक आवरण है जिसमें नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, कार्बन डाइ ऑक्साइड, ऑर्गन इत्यादि गैसे हैं। ये सभी गैसे हमारी पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए हैं। यह गैसीय आवरण, जो आकाश में लगभग 1600 किमी ऊँचाई तक फैला हुआ है और पृथ्वी के साथ-साथ घूमता रहता है, वायुमण्डल कहलाता है।

52. पृथ्वी की सतह से प्रारम्भ करने पर वायुमण्डल की परतों के नाम निम्नलिखित है-

(i) क्षोभमण्डल
(ii) समताप मण्डल
(iii) मध्य मण्डल
(iv) आयनमण्डल
(v) बहिर्मण्डल

53. वायुमण्डल में मुख्यतः नाइट्रोजन 78% तथा ऑक्सीजन 21% और अन्य गैसें 1% है।

54. बढती ऊँचाई के साथ-साथ हवा का घनत्व घटता जाता है और इसी कारण हवाओं का भार कम हो जाता है। यही कारण है कि समुद्री क्षेत्रों पर हवा का घनत्व अधिक और ऊँचाइयों पर हवा का घनत्व कम रहता है। धरातल से ऊँचाई के बढने के साथ-साथ हवाओं का तापमान घटता जाता है यही कारण है कि ऊँचे पर्वत शिखरों पर बर्फ जमीं रहती है।

कैसे पता करें कब क्या हुआ था ?

(इतिहास जानने के स्रोत)

1 प्रश्न ~ इतिहास से आप क्या समझते हो ?

उत्तर ~ इतिहास, बीते हुए समय और उस समय के लोगों को समझने और जानने का एक साधन है।

2 प्रश्न ~ पुरातत्ववेत्ता कौन कहलाते हैं ?

उत्तर ~ प्राचीन काल में मानव द्वारा प्रयोग में लाई वस्तुओं, निर्मित मन्दिरों एवं इमारतों आदि के अवशेषों का अध्ययन पुरातत्व कहलाता है। इनका अध्ययन करने वाले पुरातत्ववेत्ता कहलाते हैं।

3 प्रश्न ~ शिलालेख किसे कहते हैं ?

उत्तर ~ पत्थर की चट्टानों पर लिखे लेख को शिलालेख कहते हैं।

4 प्रश्न ~ प्राक् ऐतिहासिक काल से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर ~ वह समय जिसके लिए कोई भी लिखित सामग्री उपलब्ध नहीं है प्राक् (पूर्व) ऐतिहासिक काल है।

5 प्रश्न ~ महात्मा बुद्ध ने सर्वप्रथम अपना उपदेश किस स्थान पर दिया था ?

उत्तर ~ सारनाथ

6 प्रश्न ~ रामायण की रचना किसने की ?

उत्तर ~ महर्षि वाल्मीकि ने

7 प्रश्न ~ महाभारत किसके द्वारा लिखी गई ?

उत्तर ~ महर्षि वेदव्यास

8 प्रश्न ~ अर्थशास्त्र के रचयिता का नाम लिखिये।

उत्तर ~ कौटिल्य (चाणक्य)

9 प्रश्न ~ विश्व का सबसे बडा महाकाव्य कौन सा है ?

उत्तर ~ महाभारत

पाषाण काल

1. 'हेरोडोटस' को 'इतिहास का पिता' कहा जाता है।
2. अग्नि का अविष्कार सर्वप्रथम पुरा पाषाण युग के मनुष्यों ने किया था।
3. पहिए एवं कृषि का आरम्भ नव पाषाण काल के मानव ने किया।
4. कृषि का आरम्भ नव पाषाण काल में सर्वप्रथम फिलिस्तीन देश में हुआ था।
5. मानव के विकास, विभेद आदि की जानकारी देने वाले मानव-शास्त्री कहलाते हैं
6. पाषाण युग को तीन भागों में बाँटा गया है -
   (i) पुरापाषाण काल (ii) मध्य पाषाण काल (iii) नवपाषाण काल
7. पाषाण अर्थात पत्थर, काल अर्थात समय। मानव ने अपनी रक्षा और अपनी भूख मिटाने के लिए सर्वप्रथम पत्थर के औजारों का ही सबसे अधिक उपयोग किया इसलिए इस युग को पाषाण काल कहते हैं।
8. मानव शास्त्रियों के अनुसार आज से लगभग 2 करोड़ वर्ष पूर्व मानव विकास की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।
9. नव पाषाण काल के मानव ने मिट्टी के बर्तन बनाना भी जान गए थे। बर्तनों पर नक्काशी एवं चित्रकारी में रंगो का प्रयोग होने लगा।
10. नव पाषाण युग का अन्त होते-होते पत्थर के साथ-साथ धातुओं का इस्तेमाल शुरु हो गया।
11. धातुओं में सबसे पहले ताँबे का प्रयोग हुआ।
12. धीरे-धीरे मानव ने ताँबे व टिन को मिलाकर मिश्रित धातु काँसा बनाना सीख लिया।
13. कुत्ता मानव का प्रथम पालतू पशु है।
14. नव पाषाण काल खेती का ज्ञान हो जाने के कारण लोग एक ही जगह रहने लगे। फलस्वरूप नए-नए कौशल विकसित हुए जैसे-मूँज की टोकरी व चटाइयाँ बनाना, कताई करना, जानवरों के बालों से कपड़ा बनाना आदि।

Paras Jain Chitrakoot

वैदिक काल (1500 ई०पू० से 600 ई०पू०)

1. वेद शब्द संस्कृत भाषा के विद् शब्द से बना है इसका अर्थ होता है "जानना"।
2. वेदों की संख्या चार हैं - ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद ।
3. सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद है।
4. ऋग्वेद में दस भाग है जिन्हें मण्डल कहते हैं।
5. 'गायत्री मंत्र' तथा 'असतो मा सदगमय' ऋग्वेद से लिया गया है।
6. सामवेद में भारतीय संगीत के सप्तस्वर स, रे, ग, म, प, ध, नि का वर्णन है।
7. अथर्ववेद में तंत्र-मंत्र, जादू-टोने का वर्णन है।
8. भारत का प्रसिद्ध राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है।
9. वैदिक काल 1500 ई०पू० से 600 ई०पू० तक माना गया है।
10. उपनिषद को वेदान्त भी कहा जाता है इनकी संख्या 108 है।
11. आर्यों का सबसे प्रिय देवता का नाम इन्द्र था ।

जैन धर्म

1. भगवान महावीर स्वामी का जन्म वैशाली (बिहार राज्य) के निकट कुण्डग्राम में क्षत्रिय कुल में हुआ था।
2. भगवान महावीर स्वामी का जन्म 540 ई०पू० में हुआ था।
3. भगवान महावीर स्वामी के बचपन का नाम वर्धमान था।
4. भगवान महावीर स्वामी के पिता का नाम सिद्धार्थ एवं माता का नाम त्रिशला था।
5. महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे।
6. महावीर स्वामी का विवाह यशोदा नामक राजकुमारी से हुआ था।
7. भगवान ऋषभ देव जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर थे।
8. जैन साहित्य प्राकृत एवं संस्कृत भाषा में मिलते हैं।
9. जैन धर्म के त्रिरत्न - सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र है (जिनका अर्थ होता है - सही बातों में विश्वास, सही बातों को ठीक से समझना एवं उचित कर्म।)
10. जैन धर्म में पाँच महाव्रत हैं
    - (i) सत्य (सच बोलना)
    - (ii) अहिंसा (जीवों को न मारना)
    - (iii) अस्तेय (चोरी न करना)
    - (iv) अपरिग्रह (अनुचित धन न जुटाना)
    - (v) ब्रह्मचर्य (इन्द्रियों को वश में रखना)
11. जैन धर्म दो सम्प्रदायों में बंट गया -
    (i) दिगम्बर (ii) श्वेताम्बर

बौद्ध धर्म

1. महात्मा बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे।
2. महात्मा बुद्ध का जन्म ईसा से 563 वर्ष पूर्व नेपाल में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नामक स्थान में हुआ था।
3. महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
4. गौतम बुद्ध को महात्मा बुद्ध के नाम से जाना जाता है।
5. महात्मा बुद्ध 'बौद्ध धर्म' के संस्थापक थे।
6. महात्मा बुद्ध के पिता का नाम शुद्धोधन तथा माता का नाम महामाया था।
7. 16 वर्ष की आयु में इनका विवाह यशोधरा नामक राजकुमारी से हुआ।
8. 35 वर्ष की आयु में गया (बिहार) में उरुवेला नामक स्थान पर पीपल वृक्ष के नीचे वैशाख पूर्णिमा की रात को सिद्धार्थ को ज्ञान प्राप्त हुआ इसी दिन से वे महात्मा बुद्ध कहलाये और गया को बोधगया के नाम से जाने जाना लगा।
9. महात्मा बुद्ध ने चार आर्य सत्य को माना –
   (i) दुःख है।
   (ii) दुःख का कारण है।
   (iii) दुःख दूर करने का उपाय भी है।
   (iv) दुःखो के दूर करने का उपाय अष्टांगिक मार्ग है।
10. महात्मा बुद्ध ने दुःख से छुटकारा पाने को निर्वाण कहा है।
11. महात्मा बुद्ध के उपदेश सरल पालि भाषा में थे।
12. राष्ट्रध्वज के मध्य बना चक्र बौद्ध प्रतीक 'धर्म चक्र परिवर्तन' है।
13. कनिष्क के शासन काल में बौद्ध धर्म दो भागों में बँट गया
    (i) हीनयान (ii) महायान
14. सिद्धार्थ का पालन पोषण इनकी मौसी प्रजापति गौतमी ने किया था इसलिये ये गौतम के नाम से चर्चित थे।
15. सिद्धार्थ के सारथी का नाम चन्ना था।

महाजनपद की ओर

Paras Jain Chitrakoot

1. बौद्ध पुस्तक अंगुत्तर निकाय में सोलह महाजनपदों का उल्लेख मिलता है।
2. सोलह महाजनपदों में अंग, मगध, काशी, कोसल, वत्स, चेदि, कुरु, पांचाल, शूरसेन, मत्स्य, अवंति, अश्मक, गांधार और कम्बोज में राजतंत्र था जबकि वज्जि एवं मल्ल में गणतंत्र था।
3. इन सोलह महाजनपदों में मगध, कोशल, वत्स एवं अवन्ति अत्यन्त शक्तिशाली थे। अतः ये प्रमुख महाजनपद कहलाए।
4. जब राजा अपने राज्य की सीमा का अत्यधिक विस्तार कर लेते है तो उनके राज्य को साम्राज्य कहा जाता है।
5. छठी शताब्दी ई०पू० से नन्दों के साम्राज्य की स्थापना तक मगध में क्रमशः तीन राजवंशो का शासन हुआ - हर्यक वंश, शिशुनाग वंश एवं नन्द वंश।
6. धननन्द, नन्द वँश का अन्तिम शासक था।
7. यूरोप महाद्वीप के यूनान देश में मेसिडोनिया नाम का एक राज्य था। वहाँ का राजा सिकन्दर अपनी विशाल सेना लेकर दुनिया जीतने के इरादे से चला।
8. सिकन्दर ने भारत पर 326 ई०पू० में आक्रमण किया था।
9. सिकन्दर और पुरु की सेना में भयंकर युद्ध हुआ।
10. पुरु का राज्य झेलम और रावी नदियों के बीच में थी।
11. तक्षशिला के राजा आम्भी ने सिकन्दर को भारत पर आक्रमण करने का आमंत्रण दिया था।

मगध राज्य के वंश

↓

हर्यक वंश (लगभग 544 – 412 ई०पू०)

↓

शिशुनाग वंश (लगभग 412 – 344 ई०पू०)

↓

नन्द वंश (लगभग 344 – 323 ई०पू०)

मौर्य साम्राज्य

Paras Jain
Chitrakoot

1. नन्द वंश के शासक धननन्द द्वारा अपमानित आचार्य कौटिल्य (चाणक्य) ने बालक चन्द्रगुप्त को राजकीलकम् नामक खेल खेलते हुए देखा। बालक में विलक्षण नेतृत्व प्रतिभा देखकर चाणक्य ने उसे अपना शिष्य बना लिया।
2. चन्द्रगुप्त ने चाणक्य की कूटनीति एवं रणकौशल द्वारा नन्दवंश के अन्तिम शासक धननन्द को पराजित कर 322 ई०पू० में मगध में मौर्य वंश की स्थापना की।
3. यूनानी सेनापति सेल्यूकस ने 305 ई०पू० में भारत पर आक्रमण किया जिसे चन्द्रगुप्त ने परास्त कर दिया।
4. चन्द्रगुप्त से हारने के पश्चात सेल्यूकस को चन्द्रगुप्त से एक संधि करनी पड़ी जिससे चन्द्रगुप्त को हिन्दुकुश पर्वत तक के प्रान्त उपहार में मिले।
5. सेल्यूकस ने मेगस्थनीज नामक राजदूत चन्द्रगुप्त के दरबार में भेजा।
6. यूनानी लेखकों ने चन्द्रगुप्त के लिये सेंड्रोकोट्स नाम का उल्लेख किया है।
7. मेगस्थनीज ने इण्डिका नामक पुस्तक की रचना की।
8. अर्थशास्त्र पुस्तक की रचना कौटिल्य (चाणक्य) ने की।
9. चन्द्रगुप्त के बाद उनका बेटा बिन्दुसार मगध की गद्दी पर बैठा।
10. बिन्दुसार के बाद उसका बेटा अशोक मगध का सम्राट बना।
11. अशोक ने आखिरी लड़ाई कलिंग का युद्ध किया एवं इसमें विजय प्राप्त की।
12. युद्ध के भयानक दृश्यों एवं परिणाम को देखकर अशोक ने फैसला किया कि वह भविष्य में कोई युद्ध नही लड़ेगा।
13. धर्म को पालि भाषा में धम्म कहते हैं।
14. अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र और बेटी संघमित्रा को अपने संदेश के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा।
15. साँची स्तूप के निर्माण की शुरुआत अशोक ने करवाई थी।

16. अशोक प्राचीन भारत का एक महान शासक है। अशोक को इसलिए महान नही कहा जाता है कि उसने प्राचीन भारत के सबसे बड़े साम्राज्य पर शासन किया था बल्कि विश्व को शांति, अहिंसा का संदेश देने एवं उसकी जनकल्याण की भावना के कारण ही उसे महान कहा गया है।

17. पीठ से पीठ सटाकर बैठे हुए चार सिंह हमारा राजचिह्न है जिसे अशोक के सारनाथ स्तम्भ से लिया गया है।

18. पुष्यमित्र शुंग जो मौर्य साम्राज्य में सेनापति था, ने अन्तिम मौर्य सम्राट वृहद्रथ की हत्या कर मौर्य साम्राज्य पर कब्जा कर लिया।

19. मौर्य साम्राज्य के समकालीन सुदूर दक्षिण में तीन राज्य चोल (कारोमण्डल तट), चेर (केरल) एवं पाड्य (दक्षिण छोर) थे। इन राज्यों के इतिहास की जानकारी तमिल भाषा के प्राचीनतम साहित्य 'संगम साहित्य' में मिलती है, जो प्रथम शताब्दी में लिखा गया था। इससे इन राज्यों के जीवन एवं संस्कृति का पता चलता है।

मौर्य वंश

↓

चन्द्रगुप्त मौर्य (322 से 298 ई०पू०)

↓

बिन्दुसार (298 से 273 ई०पू०)

↓

अशोक (273 से 236 ई०पू०)

↓

वृहद्रथ (अन्तिम शासक)

① प्रथम बौद्ध संगीति (सभा)
↳ अजातशत्रु के समय

② द्वितीय बौद्ध संगीति (सभा)
↳ कालाशोक के समय

③ तृतीय बौद्ध संगीति (सभा)
↳ अशोक के समय

④ चतुर्थ बौद्ध संगीति (सभा)
↳ कनिष्क के समय

Paras Jain Chitrakoot

मौर्योत्तर काल (शुंग वंश, कण्व वंश, सातवाहन वंश शक, पहलव एवं कुषाण)

Paras Jain Chitrakoot

1. मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद इसके मध्य भाग की सत्ता शुंगवंश के हाथों में आ गयी।
2. शुंग उज्जैन प्रदेश के निवासी थे तथा इनके पूर्वज मौर्यों की सेवा में थे।
3. शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग था।
4. पुष्यमित्र शुंग अन्तिम मौर्य सम्राट वृहद्रथ का सेनापति था।
5. शुंग वंश का अन्तिम शासक देवभूति था।
6. अन्तिम शुंग शासक देवभूति की हत्या उसके सचिव वसुदेव ने की तथा 75 ईसा पूर्व में कण्व वंश की नींव रखी।
7. कण्व वंश में चार शासक ही हुए - वसुदेव, भूमिमित्र, नारायण व सुशर्मन।
8. अन्तिम शासक सुशर्मन की हत्या 30 ईसा पूर्व में सिमुक द्वारा कर दी गयी।
9. सातवाहन वंश का संस्थापक सिमुक था।
10. सातवाहन वंश के शासक वैदिक धर्म के अनुयायी थे।
11. बौद्ध धर्म के प्रार्थनास्थल को चैत्य कहते थे।
12. इस काल में कार्ले का चैत्य मण्डप प्रसिद्ध है।
13. पश्चिमोत्तर भारत में भी मौर्यों के स्थान पर मध्य एशिया और चीन से आए कई विदेशी राजवंशों ने अपना शासन जमाया जैसे हिन्द-यूनानी शक, पहलव और कुषाण।
14. हिन्द-यूनानी शासक मिनाण्डर सबसे अधिक विख्यात हुआ। वह मिलिन्द नाम से भी जाना जाता है।
15. हिन्द-यूनानी शासक मिनाण्डर की राजधानी पंजाब में शाकल (आधुनिक सियालकोट) थी।
16. यूनानियों के बाद शक आए। शक शासकों में रूद्रदामन प्रथम सबसे अधिक विख्यात शासक था।

17. शक के बाद पह्लव (पार्थीयाई) ईरान से भारत आए।

18. पह्लवों के बाद कुषाण आए, कुषाण शासकों में कनिष्क प्रथम सर्वाधिक विख्यात शासक हुआ।

19. कनिष्क ने 78 ई० में एक संवत चलाया जो शक संवत् कहलाता है।

20. कनिष्क ने बौद्ध धर्म को अपनाकर कश्मीर में चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन करवाया।

21. कुषाणों ने चीन से मध्य एशिया होते हुए रोमन साम्राज्य को जाने वाले प्रख्यात रेशम मार्ग पर नियंत्रण कर लिया था जिससे भारतीय व्यापार के लिए नए अवसर मिले और भारतीय व्यापार में वृद्धि हुई।

22. कनिष्क के समय चरक नामक चिकित्सक हुए। इन्होंने चरकसंहिता नाम की एक पुस्तक लिखी जिसमें लगभग 600 से ज्यादा औषधियों के बारे में लिखा है।

23. सबसे पहले भारत में सोने का सिक्का कुषाण शासक बिमकैडफिसस ने जारी किए।

Paras Jain Chitrakoot

24. कुषाण शासकों ने भारत में सर्वाधिक शुद्ध सोने के सिक्के चलाए।

25. कनिष्क के समय बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों में बँट गया - हीनयान और महायान। कनिष्क महायान का संरक्षक था।

26. कुषाणकाल की कला के दो प्रमुख केन्द्र मथुरा एवं गान्धार थे।

27. माना जाता है कि बुद्ध की प्रतिमा की कल्पना एवं निर्माण सर्वप्रथम गान्धार मूर्ति शैली के मूर्तिकारों द्वारा की गयी। इन मूर्तियों में बुद्ध को आध्यात्मिक मुद्रा एवं लहराते बालों के साथ सर पर जटा या उभार को दिखाया गया है।

28. मथुरा मूर्ति शैली के मूर्तिकारों द्वारा निर्मित बुद्ध की पद्मासन में बैठी मूर्ति प्राप्त हुई है जो लाल बलुवा पत्थर में बनाई गई है।

29. भारतीयों ने हिन्द-यूनानी व कुषाणों से सोना व चाँदी को पिघलाकर सिक्के बनाने का नया तरीका सीखा।

30. राजा में देवत्व की भावना की प्रणाली शकों एवं कुषाणों से प्राप्त हुई। "शाहानुशाही" की अवधारणा कुषाणों की देन है।

गुप्त काल

Paras Jain Chitrakoot

1. कुषाणों के पश्चात एक नए वंश का उदय हुआ। यह राजवंश गुप्त वंश के नाम से जाना जाता है।
2. गुप्त साम्राज्य भारत में लगभग 319-20 ई॰ में स्थापित हुआ। इस राजवंश ने भारत के विशाल भू-भाग पर लगभग दो सौ वर्षों से भी अधिक समय तक शासन किया था।
3. गुप्तकाल को भारत का स्वर्णकाल कहा जाता है।
4. गुप्तवंशावली में प्रथम शासक के रूप में श्री गुप्त तथा द्वितीय शासक के रूप में घटोत्कच का नाम मिलता है।
5. गुप्त वंश के प्रथम शक्तिशाली शासक चन्द्रगुप्त प्रथम थे। इन्होंने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की।
6. चन्द्रगुप्त प्रथम ने ही गुप्त संम्वत् चलाया।
7. चन्द्रगुप्त प्रथम की रानी का नाम कुमारदेवी था, जो लिच्छवी गणराज्य की राजकुमारी थी।
8. चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त शासक बना।
9. समुद्रगुप्त महान विजेता था। उसे कभी भी पराजय का सामना नही करना पड़ा
10. पश्चिमी इतिहासकारों ने समुद्रगुप्त की तुलना नेपोलियन से की है।
11. समुद्रगुप्त की विजयों का वर्णन प्रयाग प्रशस्ति में मिलता है।
12. प्रयाग प्रशस्ति की रचना समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण ने की थी जो वर्तमान में प्रयागराज स्थित अशोक स्तम्भ पर उत्कीर्ण है।
13. समुद्रगुप्त के बाद उसका पुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय राजगद्दी पर बैठा।
14. चन्द्रगुप्त द्वितीय ने 400 वर्षों से मालवा व गुजरात में शासन कर रहे शकों को हराया। शक विजय के उपलक्ष्य में इन्होंने चाँदी के सिक्के चलाए तथा विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।
15. चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के बाद क्रमशः कुमारगुप्त व स्कन्दगुप्त गद्दी पर बैठे।
16. स्कन्दगुप्त ने अपने शासनकाल में हूणों को पराजित किया था।

17. हूण मध्य एशिया की क्रूर एवं बर्बर जाति के लोग थे।
18. स्कन्दगुप्त के समय सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार कराया गया।
19. बुद्धगुप्त के समय से ही गुप्त साम्राज्य विघटित होता चला गया। छठी शताब्दी के आरम्भ में गुप्त वंश का अंत हो गया।
20. गुप्त शासक वैष्णव धर्म के अनुयायी थे।
21. गुप्त शासकों ने परमभागवत् की उपाधि धारण की।
22. गुप्त शासकों का राजकीय चिह्न गरूण था।
23. स्थापत्य, मूर्तिकला और चित्रकला इस युग की महान देन है।
24. गुप्तकालीन मन्दिर का सर्वोत्तम उदाहरण देवगढ़ का दशावतार मन्दिर है।
25. औरंगाबाद (महाराष्ट्र) के पास अजन्ता की प्रसिद्ध गुफा है। गुफा की दीवारों पर बुद्ध के जीवन से संबधित घटनाओं का चित्रांकन किया गया था।
26. कालिदास, चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के दरबार में नवरत्नों में से एक थे।
27. कालिदास की प्रमुख रचनाएँ अभिज्ञान शाकुन्तलम्, रघुवंशम, कुमारसम्भवम् है।
28. इस काल में शूद्रक ने मृच्छकटिकम् नामक प्रसिद्ध नाटक लिखा।
29. मुद्राराक्षस नामक प्रसिद्ध नाटक की रचना विशाखदत्त ने की।
30. विष्णुशर्मा द्वारा पंचतंत्र की रचना की गई जिसमें लिखी गई कहानियाँ बच्चों को सूझ-बूझ की जानकारी देती है।
31. विदेशी यात्री फाह्यान चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के समय भारत आया था।
32. इस काल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्यभट्ट ने बताया कि पृथ्वी गोल है। वह सूर्य का चक्कर लगाती है। इनके सम्मान में ही भारत में प्रथम कृत्रिम उपग्रह का नाम आर्यभट्ट रखा गया।
33. वराहमिहिर, चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य द्वितीय के दरबार के नवरत्नों में से एक थे। वराहमिहिर, प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने कहा कि कोई शक्ति ऐसी है जो चीजों को जमीन के साथ चिपकाए रखती है। आज इसी शक्ति को गुरुत्वाकर्षण कहते हैं।
34. बुद्धगुप्त, गुप्त वंश का अंतिम शासक था।
35. गुप्तकाल में लोग लहसुन, प्याज व शराब का सेवन नहीं करते थे। वे अहिंसक और सत्यवादी थे।

Paras Jain Chitrakoot

पुष्यभूति वंश

1. गुप्तकाल से लगभग सौ वर्षों के बाद उत्तर भारत में एक नई शक्ति का उदय हुआ जो पुष्यभूति वंश या वर्धनवंश के नाम से प्रसिद्ध था। उसकी राजधानी थानेश्वर थी।
2. वर्धन वंश का प्रथम राजा प्रभाकरवर्धन था, जिन्होंने हूणों को उत्तर-पश्चिम भारत से खदेड़ दिया था।
3. प्रभाकरवर्धन के दो पुत्र राज्यवर्धन, हर्षवर्धन तथा पुत्री राज्यश्री थी।
4. हर्षवर्धन 16 वर्ष की आयु में 606 ई॰ में गद्दी पर बैठा।
5. हर्ष की प्रारम्भिक राजधानी थानेश्वर थी। बाद में उन्होंने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।
6. हर्ष ने संस्कृत में तीन नाटकों - नागानन्द, रत्नावली और प्रियदर्शिका की रचना की
7. बाणभट्ट हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे जिन्होनें हर्षचरित की रचना की।
8. चीनी यात्री श्वेन त्सांग (ह्वेनसांग), हर्षवर्धन के शासन काल में आया वह 15 वर्षों तक भारत में रहा।
9. हर्षवर्धन का बौद्ध धर्म से लगाव था।
10. नालन्दा का विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय हर्ष के राज्य में था।
11. 647 ई॰ में हर्षवर्धन की मृत्यू हो गई उन्होनें लगभग 40 वर्षों तक शासन किया।

राजपूत काल (सातवीं से ग्यारहवीं शताब्दी)

1. राजपूत राजवंशो का उदय सातवीं शताब्दी से ही दिखाई देता है। ग्यारहवीं शताब्दी आते-आते उत्तर भारत में कई राजपूत कुल प्रसिद्ध हो जाते हैं जिनमें प्रतिहार, चौहान, परमार, गहड़वाल, चन्देल राजवंश प्रमुख थे।
2. राजपूत शब्द, संस्कृत शब्द 'राजपुत्र' का बिगड़ा हुआ रूप है। यह शब्द राजकुमार या राजवंश का सूचक था। धीरे-धीरे क्षत्रिय वर्ग राजपूत नाम से प्रसिद्ध हो गया।
3. प्रतिहार वंश (उज्जैन) का प्रथम शक्तिशाली शासक नागभट्ट प्रथम था।
4. प्रतिहार शासक महेन्द्र पाल के दरबार में सुप्रसिद्ध रचनाकार राजशेखर निवास करते थे।

प्रतिहार वंश

नागभट्ट प्रथम (730 ई० – 756 ई०)
वत्सराज (778 ई० – 805 ई०)
नागभट्ट द्वितीय (805 ई० – 833 ई०)
मिहिरभोज (836 ई० – 882 ई०)
महेन्द्रपाल (885 ई० – 910 ई०)

5. गहड़वाल वंश (कन्नौज) के संस्थापक चन्द्रदेव थे।
6. गहड़वालो ने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया जबकि काशी इनकी दूसरी राजधानी थी।
7. इस वंश के शासक गोविंद चन्द ने अनेक तुर्क आक्रमण को विफल कर दिया।
8. गहड़वाल वंश का अन्तिम शासक जयचन्द था जिसे मोहम्मद गोरी ने चंदावर के युद्ध में पराजित किया।

गहड़वाल वंश

चन्द्रदेव (1080 ई० से 1085 ई० तक)
गोविन्दचन्द (1114 ई० – 1154 ई०)
विजयचन्द (1156 ई० – 1170 ई०)
जयचन्द (1170 ई० – 1194 ई०)

Paras Jain Chitrakoot

9. चौहान (चाहमान) वंश की स्थापना वसुदेव ने की थी।
10. इस वंश के शासक प्रारम्भ में अजमेर से शासन करते थे। बाद में दिल्ली को इन्होंने अपनी राजधानी बनाया। इसी के साथ दिल्ली भारत में सत्ता का केन्द्र बन गई।
11. चौहान वंश का सबसे प्रतापी शासक पृथ्वीराज चौहान (पृथ्वीराज तृतीय) था।
12. पृथ्वीराज चौहान ने तराइन के प्रथम युद्ध 1191 ई० में मोहम्मद गोरी को पराजित किया था।
13. चन्देल वंश (बुन्देलखण्ड) के संस्थापक नन्नुक थे।
14. चन्देल शासकों ने विश्वप्रसिद्ध खजुराहों के मन्दिरों का निर्माण करवाया था।

चन्देल वंश

यशोवर्मन (925 ई० – 950 ई०)
धंगदेव (950 ई० – 1002 ई०)
गंगदेव (1002 ई० – 1019 ई०)

Paras Jain Chitrakoot

15. परमार वंश (मालवा) की स्थापना उपेन्द्र ने की थी।
16. इस वंश के प्रमुख शासक मुंज (973 ई० से 995 ई०) तथा राजा भोज (1017 ई० से 1060 ई०) थे।
16. चन्देल राजाओं ने शिव, विष्णु तथा जैन तीर्थंकरों को समर्पित कई मन्दिर बनवाए जिसमें खजुराहो का कन्दरिया महादेव मंदिर अपनी बनावट के लिये अति प्रसिद्ध है। ये सभी मन्दिर पीले रंग के बलुआ पत्थरों के बने हैं।
18. कोणार्क का सूर्य मन्दिर गंग वंश के नरसिम्हा प्रथम के द्वारा बनवाया गया। यह मंदिर एक रथ के आकार का है जिसमें बारह पहिए हैं तथा सात घोड़े इस रथ को खींचते हुए दर्शाए गए हैं।
19. इस काल में राजशेखर की बाल रामायण, भारवि का किरातार्जुनीयम, माघ का शिशुपाल वध (नाटक), कल्हण की राजतरंगिणी (ऐतिहासिक ग्रन्थ), जयदेव का गीत गोविन्द (काव्य) संस्कृत भाषा में लिखे गये।
20. चन्दबरदाई की पृथ्वीराज रासो का वीर गाथा काव्य हिन्दी में लिखा गया है।

21. जिस समय उत्तर भारत में राजपूत शासकों का राज्य स्थापित हो रहा था उसी समय गोपाल ने बंगाल में पाल वंश की स्थापना की।

22. गोपाल के बाद उसका पुत्र धर्मपाल शासक बना।

23. धर्मपाल ने सुप्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की।

24. बारहवीं शताब्दी के अंत में पाल वंश का अन्त हो गया और बंगाल में सेनवंश सत्ता में आ गया।

पाल वंश

गोपाल (750 ई० - 770 ई०)
धर्मपाल (770 ई० - 815 ई०)
महिपाल (988 ई० - 1038 ई०)
नयपाल (1038 ई० - 1055 ई०)
रामपाल (1077 ई० - 1130 ई०)

25. सामन्त सेन ने बंगाल में 'सेन वंश' की स्थापना की।

26. बल्लाल सेन, लक्ष्मण सेन इस वंश के अन्य प्रमुख शासक थे।

27. इसी काल में जयदेव ने प्रसिद्ध 'गीत गोविन्द' की रचना की।

28. मंदिर निर्माण की उत्तर भारतीय शैली को नागर शैली एवं दक्षिण भारतीय शैली को द्रविड़ शैली कहते हैं।

29. भुवनेश्वर का लिंगराज मंदिर नागर शैली में बना हुआ है।

दक्षिण भारत *Paras Jain Chitrakoot*

1. विंध्य पर्वत तथा नर्मदा नदी उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग करती है। विंध्य पर्वतमाला से लेकर कन्याकुमारी तक के विशाल भू भाग को दक्षिण भारत कहते हैं।
2. दक्षिण भारत का आकार त्रिभुजाकार है। पूर्वी घाट पर बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिमी घाट पर अरब सागर स्थित है।
3. कन्याकुमारी हिन्द महासागर, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के मिलन बिन्दु पर स्थित है।
4. दक्षिण भारत में छठी से ग्यारहवीं शताब्दी के मध्य राष्ट्रकूट, चालुक्य, पल्लव तथा चोल वंश का उदय हुआ।
5. राष्ट्रकूट वंश का प्रथम शासक 'दन्तिदुर्ग' था। इन्होंने अपनी राजधानी 'मान्यखेट' को बनाया।
6. दन्तिदुर्ग के बाद कृष्ण प्रथम शासक बना।
7. कृष्ण प्रथम ने एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मन्दिर का निर्माण कराया।
8. चालुक्य वंश के संस्थापक पुलकेशिन प्रथम थे। इन्होने वातापी को अपनी राजधानी बनाया।
9. वातापी का आधुनिक नाम बादामी है जो कर्नाटक राज्य के बागलकोट जिले में स्थित है।
10. इस वंश के प्रतापी शासक पुलकेशिन द्वितीय ने उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन को युद्ध में पराजित किया था।
11. वातापी का विरूपाक्ष मन्दिर का निर्माण चालुक्य शासकों ने करवाया था।
12. पल्लव वंश के संस्थापक सिंह विष्णु थे। पल्लव शासकों ने कांची को राजधानी बनाया।
13. कांची वर्तमान समय में तमिलनाडु राज्य में स्थित है।
14. पल्लव वंश के शासको ने महाबलीपुरम् में बने रथ मन्दिर को बनवाया। यह मंदिर एक विशाल पत्थर को काटकर बनाया गया है।

15. चोल वंश एक प्राचीन राजवंश है चोल वंश का उल्लेख अशोक के शिलालेख में मिलता है।

16. दूसरी शताब्दी ईस्वी में करिकाल नामक शासक ने बहुत से राज्यों को जीता था।

17. आठवीं शताब्दी में विजयालय ने पुनः चोल वंश की सर्वोच्चता को स्थापित किया तथा तंजौर को अपनी राजधानी बनाया।

18. चोलों के शासन काल में साम्राज्य को 'राष्ट्रम', प्रान्तों को 'मण्डलम', जनपद को 'नाडु' तथा गाँवो को 'कुर्रम' कहा जाता था।

19. चोल शासक राजेन्द्र प्रथम ने सम्पूर्ण श्रीलंका को जीत लिया था।

20. बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण चोल राजाओं ने कराया। यह चौदह मंजिल ऊँचा है। इस मंदिर में धातु की बनी नटराज की सुन्दर मूर्ति स्थापित है।

21. चोल वंश के राजा राजेन्द्र चोल प्रथम के पास बहुत बड़ी जलसेना थी जिसकी सहायता से उन्होंने दक्षिणी पूर्वी एशिया के भूभागों- लंका, निकोबार द्वीप, मलाया तथा मलाया द्वीप समूहों में अपने सम्पर्क बनाए।

22. महान संस्कृत कवि 'दण्डी' पल्लव राजा नरसिंह वर्मन द्वितीय की राजसभा में थे।

23. कम्बन द्वारा लिखित 'रामायणम्' ग्रन्थ तुलसीकृत रामचरितमानस की भाँति दक्षिण में लोकप्रिय है।

24. शंकराचार्य ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में मठों की स्थापना की

25. अंकोरवाट का मन्दिर कम्बोडिया में स्थित है। इस मंदिर की दीवारों पर रामायण - महाभारत की कहानियाँ उभरी हुई मूर्तियों में अंकित है।

26. संसार का सबसे विशाल बौद्ध मंदिर बोरोबुदूर (इण्डोनेशिया) में हैं।

Paras Jain Chitrakoot

राष्ट्रीय प्रतीक

1. भारत का राष्ट्रीय चिह्न सारनाथ (उत्तर प्रदेश) में स्थित स्तम्भ के शीर्ष से लिया गया है।
2. भारत का राष्ट्रीय गान 'जन गण मन अधिनायक जय है' है। इसके गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर द्वारा लिखा गया है।
3. भारत का राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' है जिसे बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा सन् 1874 में लिखा गया था।
4. भारत की राष्ट्र भाषा हिन्दी है तथा देवनागरी लिपि है।
5. भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी है।
6. भारत की राष्ट्रीय नदी गंगा है।
7. भारत का राष्ट्रीय वाक्य सत्यमेव जयते है।
8. भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार भारत रत्न है।
9. भारत की राष्ट्रीय मुद्रा ₹ (रुपया) है।
10. भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है।
11. भारत की राष्ट्रीय मिठाई जलेबी है।
12. भारत का राष्ट्रीय फल आम है।
13. भारत का राष्ट्रीय पेड़ बरगद है।
14. भारत का राष्ट्रीय फूल कमल है।
15. भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है।
16. भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है।
17. भारत की राष्ट्रीय योजना पंचवर्षीय योजना है।
18. भारत का राष्ट्रीय सूचना पत्र/दस्तावेज श्वेत पत्र है।
19. भारत की राष्ट्रीय विदेश नीति गुट निरपेक्ष है।
20. भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव डॉलफिन है।
21. भारत के राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस), 15 अगस्त (स्वतन्त्रता दिवस) एवं 2 अक्टूबर (गांधी जयन्ती) है।

भारत में प्रथम पुरुष

1. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का नाम पं. जवाहर लाल नेहरू है।
2. भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री का नाम सरदार वल्लभ भाई पटेल है।
3. भारत के प्रथम राष्ट्रपति का नाम डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद है।
4. भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति का नाम डां॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन है।
5. भारत रत्न से सम्मानित प्रथम भारतीय डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन है।
6. प्रथम भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्र नाथ टैगोर है।
7. प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी है।
8. भारत में प्रथम ब्रिटिश गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स है।
9. स्वतन्त्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउन्टबेटन है।
10. भारत के प्रथम वायसराय लॉर्ड जॉर्ज केनिंग है।
11. भारत के प्रथम अन्तरिक्ष यात्री स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा है।
12. एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाला प्रथम भारतीय तेनजिंग नार्गे है।
13. भारतीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष डब्ल्यू. सी. बनर्जी है।
14. भारत देश में सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकार्ड पवन चामलिंग (सिक्किम) के नाम है।

Paras Jain Chitrakoot

15. भारत के प्रथम न्यायाधीश हीरालाल जे॰ कानिया है।
16. ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रथम भारतीय अभिनव बिन्द्रा है।
17. नोबेल पुरूस्कार प्राप्त प्रथम भारतीय वैज्ञानिक का नाम सी॰ वी॰ रमन है।
18. भारत के प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन है।
19. इंगलिश चैनल तैरकर पार करने वाला प्रथम भारतीय मिहिर सेन है।
20. एवरेस्ट पर दो बार चढने वाला प्रथम भारतीय नवांग गोम्बो है।
21. प्रथम भारतीय लोकपाल का नाम (भारत का प्रथम लोकपाल) पिनाकी चंद घोष है।
22. भारत का प्रथम शतरंज ग्रैण्ड मास्टर विश्वनाथन आनन्द है।

भारत में सबसे बड़ा, सबसे लम्बा आदि

1. भारत का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार (नागरिक) अशोक चक्र है।
2. भारत का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार (सैनिक) परमवीर-चक्र है।
3. भारत की सबसे ऊँची चोटी K_2 गाडविन ऑस्टिन (8611 मीटर) है।
4. भारत का सबसे बड़ा डेल्टा सुन्दरवन (पश्चिम बंगाल) है।
5. भारत का सबसे बड़ा गुम्बद गोल गुम्बद (बीजापुर) है।
6. भारत का सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान मासिनराम (मेघालय) है।
7. भारत की सबसे लम्बी नदी गंगा (प्रवाह के आधार पर) है।
8. भारत का सबसे ऊँचा प्रपात गरसोप्पा प्रपात (कर्नाटक) है।
9. भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील बुलर झील (कश्मीर) है।
10. भारत की सबसे बड़ी कृतिम झील गोविन्द सागर (भांखड़ा, पंजाब) है।
11. भारत का सबसे ऊँचा पुल चम्बल पुल है।
12. भारत का सबसे बड़ा रेगिस्तान थार (राजस्थान) है।
13. भारत का सबसे ऊँचा बाँध टिहरी बाँध (उत्तराखण्ड) है।
14. भारत का सबसे आधिक वनों वाला राज्य मध्यप्रदेश है।
15. भारत की सबसे घनी आबादी वाला राज्य बिहार है।
16. भारत का सबसे बड़ा गुफा मंदिर एलोरा है।
17. भारत की सबसे बड़ी सड़क ग्राण्ट ट्रंक रोड (2400 Km) है।
18. भारत का सबसे लंबा बाँध हीराकुंड (ओडिशा, महानदी पर) है।
19. भारत की सबसे ऊँची मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार पटेल, गुजरात, 182 मीटर) है।
20. भारत का सबसे ऊँचा ध्वजारोहण बाघा बॉर्डर है।
21. भारत की सबसे तेज गति से चलने वाली रेलगाड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस है।

भारत में प्रथम महिला

1. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री का नाम सुचेता कृपलानी (उ०प्र०) है।
2. भारत की प्रथम महिला राज्यपाल सरोजिनी नायडू (उ०प्र०) है।
3. एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेन्द्री पाल है।
4. प्रथम महिला कॉंग्रेस अध्यक्ष नाम ऐनी बेसेण्ट है।
5. भारत में पहली महिला प्रधानमंत्री का नाम श्रीमती इन्दिरा गांधी है।
6. भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति का नाम श्रीमती प्रतिभा पाटिल है।
7. भारत की प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष का नाम मीरा कुमार है।
8. इंगलिश चैनल तैरकर पार करने वाली प्रथम भारतीय महिला आरती शाहा है।
9. भारत रत्न प्राप्त करने वाली प्रथम महिला श्रीमती इन्दिरा गांधी है।
10. प्रथम भारतीय महिला मुस्लिम सुल्तान रजिया बेगम है।
11. प्रथम भारतीय महिला अन्तरिक्ष यात्री का नाम कल्पना चावला है।
12. प्रथम भारतीय महिला नोबेल पुरस्कार विजेता का नाम मदर टेरेसा (शान्ति) है।
13. मिस यूनिवर्स विजेता प्रथम भारतीय महिला सुष्मिता सेन है।
14. ओलम्पिक में पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला कर्णम मल्लेश्वरी है।
15. सर्वोच्च न्यायालय में प्रथम महिला न्यायाधीश मीरा साहिब फातिमा बीबी है।
16. मिस वर्ल्ड से सम्मानित प्रथम भारतीय महिला रीता फारिया है।
17. भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण है।
18. प्रथम महिला आई० पी० एस० किरण बेदी है।
19. प्रथम भारतीय महिला जो शंतरज में ग्रेण्ड मास्टर बनी भाग्यश्री थिप्से हैं।
20. भारत की प्रथम महिला विदेश मंत्री का नाम सुषमा स्वराज है।